मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC-101

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एस.के.सी.-101 : लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—1

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— प्रत्येक 10

(क) मन्दः कवियशः प्रार्थी गमिष्याम्युपहास्यताम्।
प्रांशुलभ्ये फले लोभादुद्बाहुरिव वामनः॥

अथवा

प्रजानामेव भूत्यर्थं स ताभ्यो बलिमग्रहीत्।
सहस्रगुणमुत्स्रष्टुमादत्ते हि रसं रविः॥

(ख) इति ध्रुवेच्छामनुशासती सुतां
शशाक मेना न नियन्तुमुद्यमात्।
क ईप्सितार्थस्थिरनिश्चयं मनः
पयश्च निम्नाभिमुखं प्रतीपयेत्॥

अथवा

शुचौ चतुर्णां ज्वलतां हविर्भुजां
शुचिस्मिता मध्यगता सुमध्यमा।
विजिन्य नेत्रप्रतिघातिनीं प्रभाम्
अनन्यदृष्टिः सवितारमैक्षत्॥

(ग) कृतारिषड्वर्गज येन मानवीमगम्यरूपां
पदवीं प्रपित्सुना।
विभज्य नक्तन्दिवमस्ततन्द्रिणा,
वितन्यते तेन नयेन पौरुषम्॥

अथवा

सुखने लभ्या दधतः कृषीवलैरकृष्टपच्या
इव सस्पसम्पदः।
वितन्वति क्षेममदेवमातृकारिचराय
तस्मिन्कुरवश्चकासति॥

(घ) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि॥

अथवा

अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि नरं न रंजयति॥

खण्ड—2

2. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 5×10=50

(क) खण्डकाव्य की उत्पत्ति और विकास पर लेख लिखिए।

(ख) महाकवि कालिदास के 'रघुवंश' का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'किरातार्जुनीयम्' के प्रथम सर्ग के आधार पर महाकवि भारवि की शैली की व्याख्या कीजिए।

(घ) 'कुमारसम्भवम्' महाकाव्य में प्रतिपादित पार्वती के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में लिखिए।

(ङ) 'नीतिशतकम्' में प्रतिपादित मूर्ख पद्धति का वर्णन कीजिए।

(च) अश्वघोष के महाकाव्यों के वैशिष्ट्य को वर्णित कीजिए।

खण्ड—3

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) नैषधे पदलालित्यम्

(ख) भर्तृहरि के शतकत्रय

(ग) राजा दिलीप की विशेषताएँ